WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

शनिवार

17 फरवरी, 2024

अंक - 188

सीएसए में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की डीन फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर इस विद्यालय के निदेशक शोध ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए। ताकि इसके बढ़ते दुरुपयोग को रोका जा सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. पी के सिंह ने की एवं मुख्य वक्ता के तौर पर आईसीएआर नई दिल्ली के डॉ रेनू एवं डॉक्टर यूके दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में बौद्धिक संपदा की चोरी और हनन के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूक करके एवं इस दिशा में कड़े नियम लागू करके बौद्धिक संपदा का संरक्षण किया जा सकता है।मुख्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर रेनू ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देश सदियों से अनेक प्रकार के कानून बनाकर बौद्धिक संपदा के अधिकार का संरक्षण करने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन बौद्धिक संपदा की चोरी के अनेक उपाय भी लोगों ने विकसित किये तथा तकनीकी का भी गलत प्रयोग इस दिशा में चिंतनीय है।उन्होंने देश में लागू अनेक प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम की भी चर्चा की। ट्रेडमार्क, पेटेंट, फार्मर्स राइट,कॉपीराइट्स आदि ट्रेड सीक्रेट संपदा कानून के विविध पहलुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में आईसीएआर नई दिल्ली के डॉक्टर यूके दुबे, आईआईटी कानपुर के रवि पांडे, सीएसजेएमयू से डॉक्टर दिव्यांशु शुक्ला एवं एचबीटीयू के डॉक्टर बृजेश सिंह ने भी व्याख्यान दिए।कार्यक्रम आयोजक डा. मुनीश कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी हम सभी को होनी चाहिए।हालांकि इसके समक्ष अनेक चुनौती हैं जो बौद्धिक संपदा कानून की जानकारी होने से इस दिशा में सफल हो सकते हैं। यह एक दिवसीय कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक,शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

DT दीनार टाइम्स

सीएसए ने राजभवन में लगाई साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

डीटीएनएन | कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 17 से 20 फरवरी 2024 (चार दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर.बी.सिंह ने बताया कि प्रदेश के मा. उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह जी द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि माननीय मंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के पंडाल में मटर एवं आलू की नीलकंठ प्रजाति की प्रमुखता से जानकारी ली। तथा प्रदर्शनी में आए हुए लोगों का आलू की नीलकंठ एवं प्याज की भीमा सुपर प्रजाति आकर्षण का केंद्र बनी।।डॉक्टर सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में दर्शाए गए आलू में कुफरी चिप्सोना, कुफरी फाईसोना ,सहजन उत्पाद एवं संरक्षित उत्पाद के साथ ही सब्जी मटर की आजाद मटर- 3,टमाटर की आजाद टमाटर-6 एवं संरक्षित सब्जियों के प्रति दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, सीएसए के अर्थ नियंत्रक दिनेश कुमार सहित सब्जी विज्ञान विभाग के डॉ राजीव व अन्य लोग उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान 18/02/2024

सीएसए में कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की डीन फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए। कार्यशाला में आईसीएआर के डॉ. यूके दुबे, आईआईटी कानपुर के रवि पांडेय आदि रहे।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

66 कानपुर, रविवार 18 फरवरी-2024 पृष्ठ -8

बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय हुई कार्यशाला

संमाज का साथी

कानपुर । सीएसए की डीन फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर इस विद्यालय के निदेशक शोध ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए। ताकि इसके बढ़ते दुरुपयोग को रोका जा सके ।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. पी के सिंह ने की एवं मुज़्य वक्ता के तौर पर आईसीएआर नई दिल्ली के डॉ रेनू एवं डॉज़्टर यूके दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉज़्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में बौद्धिक संपदा की चोरी और हनन के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूक करके एवं इस दिशा में कड़े नियम लागू करके बौद्धिक संपदा का सरंक्षण किया जा सकता है ।मुज़्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक डॉज़्टर रेनू ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देश सदियों से अनेक प्रकार के कानून बनाकर बौद्धिक संपदा के अधिकार का संरक्षण करने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन बौद्धिक संपदा की चोरी के अनेक उपाय भी लोगों ने विकसित किये तथा तकनीकी का भी गलत प्रयोग इस दिशा में चिंतनीय है ।उन्होंने देश में लागू अनेक प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम की भी चर्चा की।

WORLD खबर EXPRESS

शनिवार

17 फरवरी, 2024

अंक - 188

WORLD

खबर एक्सप्रेस

सीएसए द्वारा राजभवन में लगाई गई साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 17 से 20 फरवरी 2024 (चार दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर.बी.सिंह ने बताया कि प्रदेश के मा. उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह जी द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि माननीय मंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के पंडाल में मटर

एवं आलू की नीलकंठ प्रजाति की प्रमुखता से जानकारी ली। तथा प्रदर्शनी में आए हुए लोगों का आलू की नीलकंठ एवं प्याज की भीमा सुपर प्रजाति आकर्षण का केंद्र बनी।डॉक्टर सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में दर्शाए गए आलू में कुफरी चिप्सोना, कुफरी फाईसोना ,सहजन उत्पाद एवं संरक्षित उत्पाद के साथ ही सब्जी मटर की आजाद मटर- 3,टमाटर की आजाद टमाटर-6 एवं संरक्षित सब्जियों के प्रति दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, सीएसए के अर्थ नियंत्रक दिनेश कुमार सहित सब्जी विज्ञान विभाग के डॉ राजीव व अन्य लोग उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-338 कानपुर, रविवार 18 फरवरी 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय हुई कार्यशाला

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए की डीन फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर इस विद्यालय के निदेशक शोध ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए ताकि इसके बढ़ते दुरुपयोग को रोका जा सके कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. पीके सिंह ने की एवं मुख्य वक्ता के तौर पर आईसीएआर नई दिल्ली के डॉ रेनू एवं डॉक्टर यूके दुबे उपस्थित रहे कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया अपने संबोधन में निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में बौद्धिक संपदा की चोरी और हनन के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं उन्होंने कहा कि लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूक करके एवं इस दिशा में कड़े नियम लागू करके बौद्धिक संपदा का सरंक्षण किया जा सकता है मुख्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर रेनू ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देश सदियों से अनेक प्रकार के कानून बनाकर बौद्धिक संपदा के अधिकार का संरक्षण करने का प्रयास करते रहे हैं लेकिन बौद्धिक संपदा की चोरी के अनेक उपाय भी लोगों ने विकसित किये तथा तकनीकी का भी गलत प्रयोग इस दिशा में चिंतनीय है उन्होंने देश में लागू अनेक प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम की भी चर्चा की ट्रेडमार्क, पेटेंट, फार्मर्स राइट,कॉपीराइट्स आदि ट्रेड सीक्रेट संपदा कानून के विविध पहलुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला कार्यशाला में आईसीएआर नई दिल्ली के डॉक्टर यूके दुबे, आईआईटी कानपुर के रवि पांडे, सीएसजेएमयू से डॉक्टर दिव्यांशु शुक्ला एवं एचबीटीयू के डॉक्टर बृजेश सिंह ने भी व्याख्यान दिए कार्यक्रम आयोजक डा. मुनीश कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी हम सभी को होनी चाहिए हालांकि इसके समक्ष अनेक चुनौती हैं जो बौद्धिक संपदा कानून की जानकारी होने से इस दिशा में सफल हो सकते हैं यह एक दिवसीय कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज को साहित्य

ख्यात आध्यात्मिक ने

सुधारक हैं जैन समाज

आज का कानपुर

कानपुर । गांधीनगर स्थित,

ट्रेडमार्क, पेटेंट, फार्मर्स राइट, कॉपीराइट्स आदि ट्रेड सीक्रेट संपदा कानून के विविध पहलुओं पर दी जानकारियां

सीएसए में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते लोग।

● प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी

कानपुर, 17 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए विद्यालय के निदेशक शोध डा. पी के सिंह ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए, ताकि इसके बढ़ते दुरुपयोग को रोका जा सके। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में बौद्धिक संपदा की चोरी और हनन के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूक करके एवं इस दिशा में कड़े नियम लागू करके बौद्धिक संपदा का सरंक्षण किया जा सकता है। मुख्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक डॉ रेनू ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देश सदियों से अनेक प्रकार के कानून बनाकर बौद्धिक संपदा के अधिकार का संरक्षण करने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन बौद्धिक संपदा की चोरी के अनेक उपाय भी लोगों ने विकसित किये तथा तकनीकी का भी गलत प्रयोग इस दिशा में चिंतनीय है।उन्होंने देश में लागू अनेक प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम की भी चर्चा की। ट्रेडमार्क, पेटेंट, फार्मर्स राइट,कॉपीराइट्स आदि ट्रेड सीक्रेट संपदा कानून के विविध पहलुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में आईसीएआर नई दिल्ली के डॉक्टर यूके दुबे, आईआईटी कानपुर के रवि पांडे, सीएसजेएमयू से डॉक्टर दिव्यांशु शुक्ला एवं एचबीटीयू के डॉक्टर बृजेश सिंह ने भी व्याख्यान दिए। कार्यक्रम आयोजक डा. मुनीश कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी हम सभी को होनी चाहिए।हालांकि इसके समक्ष अनेक चुनौती हैं जो बौद्धिक संपदा कानून की जानकारी होने से इस दिशा में सफल हो सकते हैं। यह एक दिवसीय कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कौशल कुमार ने किया।

नी परिषद, कानपुर
सूचना
सीयत/शपथपत्रों पर दाखिल खारिज हेतु आवेदन प्रेषित किया है।

सम्पत्ति की स्थिति	दाखिल खारिज हेतु प्रस्तुत दस्तावेज

सीएसए में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

डीटीएनएन | कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की डीन फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर इस विद्यालय के निदेशक शोध ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए। ताकि इसके बढ़ते दुरुपयोग को रोका जा सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. पी के सिंह ने की एवं मुख्य वक्ता के तौर पर आईसीएआर नई दिल्ली के डॉ रेनू एवं डॉक्टर यूके दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में बौद्धिक संपदा की चोरी और हनन के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूक करके एवं इस दिशा में कड़े नियम लागू करके बौद्धिक संपदा का संरक्षण किया जा सकता है।मुख्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर रेनू ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देश सदियों से अनेक प्रकार के कानून बनाकर बौद्धिक संपदा के अधिकार का संरक्षण करने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन बौद्धिक संपदा की चोरी के अनेक उपाय भी लोगों ने विकसित किये तथा तकनीकी का भी गलत प्रयोग इस दिशा में चिंतनीय है।उन्होंने देश में लागू अनेक प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम की भी चर्चा की। ट्रेडमार्क, पेटेंट, फार्मर्स राइट,कॉपीराइट्स आदि ट्रेड सीक्रेट संपदा कानून के विविध पहलुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में आईसीएआर नई दिल्ली के डॉक्टर यूके दुबे, आईआईटी कानपुर के रवि पाडे, सीएसजेएमयू से डॉक्टर दिव्यांशु शुक्ला एवं एचबीटीयू के डॉक्टर बृजेश सिंह ने भी व्याख्यान दिए।कार्यक्रम आयोजक डा. मुनीश कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी हम सभी को होनी चाहिए।हालांकि इसके समक्ष अनेक चुनौती हैं जो बौद्धिक संपदा कानून की जानकारी होने से इस दिशा में सफल हो सकते हैं। यह एक दिवसीय कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक,शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान 18/02/2024

राजभवन को भाया नीलकंठ आलू

प्रदर्शनी

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। राजभवन में 17 से 20 फरवरी के बीच चलने वाले प्रदर्शनी में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की देखरेख में वैज्ञानिकों की टीम ने स्टॉल लगाया। शाक-भाजी विभागाध्यक्ष डॉ. राम बटुक सिंह की देखरेख में वैज्ञानिकों ने विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन किया। इसमें मटर की आजाद-3, आजाद-1, आजाद-2, टमाटर की कल्याणपुर टाइप-3, कल्याणपुर टाइप-1, कल्याणपुर टाइप-2, कल्याणपुर टाइप-5, मिर्च की आजाद-1 व हल्दी की आजाद-1 रहीं। विवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया गया। प्रदेश के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने विवि के स्टॉल का निरीक्षण करने के साथ विभिन्न प्रजातियों का अवलोकन किया। विवि के स्टॉल पर आलू की नीलकंठ व प्याज की भीमा सुपर प्रजाति अत्याधिक पसंद की गई। प्रदर्शनी में विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह, सीएसए के अर्थ नियंत्रक दिनेश कुमार, डॉ. राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

वर्ष-17 अंक-115 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 18 फरवरी 2024
कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित
RNI No.- UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....

सीएसए ने राजभवन में लगाई साग-भाजी फल-फूल व पुष्प प्रदर्शनी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 17 से 20 फरवरी 2024 (चार दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर.बी.सिंह ने बताया कि प्रदेश के मा. उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह जी द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि माननीय मंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के पंडाल में मटर एवं आलू की नीलकंठ प्रजाति की प्रमुखता से जानकारी ली। तथा प्रदर्शनी में आए हुए लोगों का आलू की नीलकंठ एवं प्याज की भीमा सुपर प्रजाति आकर्षण का केंद्र बनी।।डॉक्टर सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में दर्शाए गए आलू में कुफरी चिप्सोना, कुफरी

फ्राईसोना ,सहजन उत्पाद एवं संरक्षित उत्पाद के साथ ही सब्जी मटर की आजाद मटर- 3,टमाटर की आजाद टमाटर-6 एवं संरक्षित सब्जियों के प्रति दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, सीएसए के अर्थ नियंत्रक दिनेश कुमार सहित सब्जी विज्ञान विभाग के डॉ राजीव व अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीएसए ने राजभवन में लगायी साग भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

कानपुर, 17 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 17 से 20 फरवरी 2024 (चार दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर.बी.सिंह ने बताया कि प्रदेश के मा. उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां का अवलोकन किया। मंत्री ने विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के पंडाल में मटर एवं आलू की नीलकंठ प्रजाति की प्रमुखता से जानकारी ली तथा प्रदर्शनी में आए हुए लोगों का आलू की नीलकंठ एवं प्याज की भीमा सुपर प्रजाति आकर्षण का केंद्र बनी। डा. सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में दर्शाए गए आलू में कुफरी चिप्सोना, कुफरी फ्राईसोना ,सहजन उत्पाद एवं संरक्षित उत्पाद के साथ ही सब्जी मटर की आजाद मटर- 3,टमाटर की आजाद टमाटर-6 एवं संरक्षित सब्जियों के प्रति दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह, सीएसए के अर्थ नियंत्रक दिनेश कुमार सहित सब्जी विज्ञान विभाग के डॉ राजीव व अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी के दौरान सीएसए के वैज्ञानिक।

हिंदी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
लखनऊ से प्रकाशित
वर्ष : 10, अंक

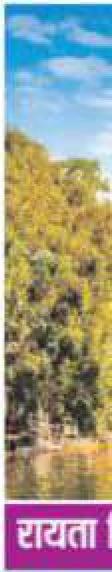

कार्यशाला

इस अवसर पर इस विद्यालय के निदेशक शोध ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए

बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय हुई कार्यशाला

कानपुर । सीएसए की डीन फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर इस विद्यालय के निदेशक शोध ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए। ताकि इसके बढ़ते दुरुपयोग को रोका जा सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. पी के सिंह ने की एवं मुख्य वक्ता के तौर पर आईसीएआर नई दिल्ली के डॉ रेनू एवं डॉक्टर यूके दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में बौद्धिक संपदा की

चोरी और हनन के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूक करके एवं इस दिशा में कड़े नियम लागू करके बौद्धिक संपदा का सरंक्षण किया जा सकता है।मुख्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर रेनू ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देश सदियों से अनेक प्रकार के कानून बनाकर बौद्धिक संपदा के अधिकार का संरक्षण करने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन बौद्धिक संपदा की चोरी के अनेक उपाय भी लोगों ने विकसित किये तथा तकनीकी का भी गलत प्रयोग इस दिशा में चिंतनीय है।उन्होंने देश में लागू अनेक प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम की भी चर्चा की। ट्रेडमार्क, पेटेंट, फार्मर्स राइट,कॉपीराइट्स आदि ट्रेड सीक्रेट संपदा कानून के विविध पहलुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में आईसीएआर नई दिल्ली के डॉक्टर यूके दुबे, आईआईटी कानपुर के रवि पांडे, सीएसजेएमयू से डॉक्टर दिव्यांशु शुक्ला एवं एचबीटीयू के डॉक्टर बृजेश सिंह ने भी व्याख्यान दिए।

कार्यशाला में आईसीएआर नई दिल्ली के डॉक्टर यूके दुबे, आईआईटी कानपुर के रवि पांडे, सीएसजेएमयू से डॉक्टर दिव्यांशु शुक्ला एवं एचबीटीयू के डॉक्टर बृजेश सिंह ने भी व्याख्यान दिए।कार्यक्रम आयोजक डा. मुनीश कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी हम सभी को होनी चाहिए।हालांकि इसके समक्ष अनेक चुनौती हैं जो बौद्धिक संपदा कानून की जानकारी होने से इस दिशा में सफल हो सकते हैं। यह एक दिवसीय कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय स्वरूप

18/02/2024

बैठकों, मोबाइल पर प्रतिबंध रहा। आग्रह किया। की धारा में मुकदमा दर्ज होने पर आत्महत्या

बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषयक कार्यशाला हुई आयोजित

कानपुर । सीएसए की डीन फैकल्टी सभागार में शनिवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर इस विद्यालय के निदेशक शोध ने कहा कि बौद्धिक संपदा के अधिकारों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए। ताकि इसके बढ़ते दुरुपयोग को रोका जा सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. पी के सिंह ने की एवं मुख्य वक्ता के तौर पर आईसीएआर नई दिल्ली के डॉ रेनू एवं डॉक्टर यूके दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में बौद्धिक संपदा की चोरी और हनन के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूक करके एवं इस दिशा में कड़े नियम लागू करके बौद्धिक संपदा का सरंक्षण किया जा सकता है।मुख्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन नई दिल्ली की प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर रेनू ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देश सदियों से अनेक प्रकार के कानून बनाकर बौद्धिक

संपदा के अधिकार का संरक्षण करने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन बौद्धिक संपदा की चोरी के अनेक उपाय भी लोगों ने विकसित किये तथा तकनीकी का भी गलत प्रयोग इस दिशा में चिंतनीय है। कार्यक्रम आयोजक डा. मुनीश कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी हम सभी को होनी चाहिए।हालांकि इसके समक्ष अनेक चुनौती हैं जो बौद्धिक संपदा कानून की जानकारी होने से इस दिशा में सफल हो सकते हैं। यह एक दिवसीय कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक,शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 10, अंक

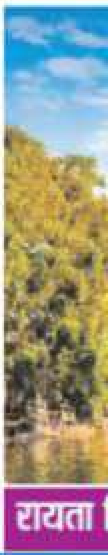

राजभवन में लगाई साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में 17 से 20 फरवरी (चार दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- , आजाद मटर-, आजाद मटर-टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -, कल्याणपुर टाइप - कल्याणपुर टाइप- एवं कल्याणपुर टाइप -, आजाद मिर्च-,तथा आजाद हल्दी- इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर.बी.सिंह ने बताया कि प्रदेश के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि मंत्री द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया विश्वविद्यालय के पंडाल में मटर एवं आलू की नीलकंठ प्रजाति की प्रमुखता से जानकारी ली। तथा प्रदर्शनी में आए हुए लोगों का आलू की नीलकंठ एवं प्याज की भीमा सुपर प्रजाति आकर्षण का केंद्र बनी।।डॉक्टर सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में दर्शाए गए आलू में कुफरी चिप्सोना, कुफरी फ्राईसोना ,सहजन उत्पाद एवं संरक्षित उत्पाद के साथ ही सब्जी मटर की आजाद मटर-3,टमाटर की आजाद टमाटर-6 एवं संरक्षित सब्जियों के प्रति दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, सीएसए के अर्थ नियंत्रक दिनेश कुमार सहित सब्जी विज्ञान विभाग के डॉ राजीव व अन्य लोग उपस्थित रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

18,02, 2024jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

सीएसए ने राजभवन में लगाई साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 17 से 20 फरवरी 2024 (चारदिवसीय) तक आयोजित होने वाले *प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी* में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर.बी.सिंह ने बताया कि प्रदेश के मा. उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह जी द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि माननीय मंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय के पंडाल में मटर एवं आलू की नीलकंठ प्रजाति की प्रमुखता से जानकारी ली। तथा प्रदर्शनी में आए हुए लोगों का आलू की नीलकंठ एवं प्याज की भीमा सुपर प्रजाति आकर्षण का केंद्र बनी।।डॉक्टर सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में दर्शाए गए आलू में कुफरी चिप्सोना, कुफरी फ्राईसोना ,सहजन उत्पाद एवं संरक्षित उत्पाद के साथ ही सब्जी मटर की आजाद मटर- 3,टमाटर की आजाद टमाटर-6 एवं संरक्षित सब्जियों के प्रति दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, सीएसए के अर्थ नियंत्रक दिनेश कुमार सहित सब्जी विज्ञान विभाग के डॉ राजीव व अन्य लोग उपस्थित रहे।